(Deemed to be University U/s-3 of UGC Act, 1956)

NEHRU GRAM BHARATI

(Deemed to be University)

Kotwa-Jamunipur-Dubawal, Allahabad-221505, U.P. (India)

Ref. : NGB(DU)-I/GA-228/ 3803

Date: 21.11.2020

Prof. Rajnish Jain
Secretary
University Grants Commission, MHRD
Bahadur Shah Zafar Marg,
New Delhi-110002.

Sub.: Suggestions for Implementation of National Education Policy, 2020.

Dear Sir,

This has reference to your Letter No. 1-1/2020(Secy.) Dated 27.10.2020 inviting us to give wide publicity to NEP 2020 and give our suggestions on portal for implementation of NEP 2020.

I am glad to inform you that our University earlier organized a two days Webinar cum Seminar on September 29-30, 2020 in the topic "Reaching the Unreached" in the context of New Education Policy (NEP) 2020 announced by MHRD.

A brief summary of the same is enclosed in hard copy and the same has been uploaded on our University website.

With kind regards,

Your's Sincerely,

(Dr. S.C. Tiwari)
Pro-Vice Chancellor

Administrative Office: Hanumanganj Campus, G.T. Road, Hanumanganj, Allahabad-221505
Tel.: 05332-85010, 285011, 285012 **Email:** info.ngbu@gmail.com

प्रयागराज नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित द्विदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार सह सेमिनार वंचितों तक पहुँच में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए वीर बहादुर सिंह पूर्वाचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्या ने कहा कि गॉवों में कौशल विकास, स्वरोजगार और शिक्षा को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने के लिए छोटे–छोटे उद्योग धंधों को विश्वविद्यालय स्तर पर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। ग्रामीणोंजनों के कौशल विकास करने के लिए उन्हें ऑनलाइन मोबाइल, डिजिटल लाइब्रेरी से जोड़ा जाना चाहिए। विद्या को गॉव–गॉव तक पहुँचाने हेतु विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना की मदद से पंचायतों तक पहुँच कर शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय की जो शिक्षा है, वह हमारे प्राचीन ग्रन्थों पर आधारित है। शिक्षा की बुनियाद विद्या है। केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश के कुलपति प्रो० टी0वी0 कट्टीमनी ने मुख्य वक्ता के रूप में सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा कि पहुँच दलितों, पिछड़ों, दिव्यांगों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों तथा अन्य सामाजिक रूप से वंचित वर्गों तक पहुँचाने के लिए शिक्षा का सरलीकरण करना होगा। वंचित वर्गों के लिए महंगी शिक्षा एक बड़ी चुनौती है। शिक्षा को स्थानीय भाषा में दिया जाना आवश्यक है। शिक्षा को हर वर्ग तक पहुँचाने के लिए हमें आधुनिक संचार संसाधनों के अधिकतम उपयोग हेतु लोगों को प्रोत्साहित एवं जागरूक करना चाहिए।

वेबिनार–सेमिनार के बीज वक्ता के रूप में सम्बोधित करते हुए लुप्तप्राय जनजातीय भाषाएँ, अमरकंटक, मध्य प्रदेश के निदेशक प्रो0 दिलीप सिंह ने कहा कि वंचित वर्गों एवं आदिवासी समूहों तक नई शिाक्षा नीति के अपनी मातृ भाषा में शिक्षा के प्रावधान के कारण उनतक शिक्षा की पहुँच आसान होगी। आदिवासियों की भाषाएँ लुप्त होती जा रही हैं करीब चौदह करोड़ ग्रामीण वन एवं पर्वतीय क्षेत्रों में रहते हैं परन्तु उच्च शिक्षा में इनकी पहुँच बहुत निराशाजनक है। नवभारत टाइम्स के वरिष्ठ पत्रकार चन्द्र भूषण ने कहा कि ज्ञान के सृजन व ज्ञान प्रदान करने में भेद–भाव नहीं होना चाहिए।

कुलाधिपति जे०एन० मिश्र ने उद्बोधन में कहा कि ग्रामीणों एवं वंचित समूहों तक शिक्षा की पहुँच को स्थापित करने में यह विश्वविद्यालय निरंतर संलग्न है। समाज के हर वर्ग को शिक्षा के इस पुनीत कार्य में सहयोगी बनना चाहिये। श्री मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति की शिक्षा को वंचितों तक पहुँच में महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

कार्यक्रम का विषय परिचय देते हुए नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राममोहन पाठक ने कहा कि वंचित वर्गों तक शिक्षा की पहुँच आज देश के लिए बहुत आवश्यक है। सभी के शैक्षणिक भागीदारी से ही देश तरक्की की राह पर अग्रसर होगा। प्रतिकुलपति डॉ0 एस0सी0 तिवारी ने अतिथियों का स्वागत उद्बोधन किया। संचालन डॉ0 सव्यसाची ने तथा धन्यवाद ज्ञापन आर0 एल0 विश्वकर्मा ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अध्यापकगण एवं शोध छात्र ऑनलाइन के साथ ही शोध केन्द्र सभागार में आफलाइन उपस्थित रहे। उपरोक्त कार्यक्रम ऑनलाइन सहित ऑफलाइन मोड पर आयोजित किया गया।

amar stambh 29 sep...

ना हनीफ
डेला सुरक्षा
दमी पार्टी
ो है और
जुड़े मुद्दे
की पहली
मेल हैं।
जिला अध
अतिरिक्त
ा अग्रवाल
ा सदस्य

ठ

नीकी अधि
ुक्ला तथा
का विशेष
पखवाडा
विभिन्न
थान प्राप्त
ार क्रमशः
श्रीवास्तव,
मिश्रा, अमन
सिंह आदि
ं अधिकाधि
करने वाले
र, अंकुर
ोपेश आदि
कार दिया

धन

मर गई थी। आप को बता दे की विगत दिनों ग्राम सभा शिवपुर (रामपुर) निवासी पंचू राम पाल की 70 बकरी ट्रेन से कटकर मर गयी थी अभी तक शासन प्रशासन से कोई मदद न मिल पाने के कारण परिवार अत्यंत दुखी था जबकि वर्तमान विधायक भी आश्वासन दे कर जा चुकी है। कांग्रेस नेता केवल आश्वासन ही दिए पर अज्जू भईया आप ने प्रशासन से बात करके जल्द से जल्द मुआवजा दिलाने का जो प्रयास किए हैं वो काबिले तारीफ है उससे लगता है कि नेता आप की तरह होना चाहिए। वहां उपस्थित आनंद यादव,कम्पोटर यादव,सुनील पाल आदि लोग मौजूद रहे।

वेबिनार-सेमिनार में दस देशों के विद्वान् करेंगे चिंतन-मंथन

प्रयागराज (अमर स्तम्भ) राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के सन्दर्भ में "वंचितों तक पहुँच" विषयक द्विदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार सह सेमिनार 29–30 सितम्बर को आयोजित किया गया है। इस अकादमिक विमर्श का उद्देश्य भारत के ग्रामीण क्षेत्रों एवं वंचित वर्ग तक शिक्षा की पहुँच पर विमर्श, मंथन और भारत सरकार द्वारा घोषित राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न वर्गों पर वृहद् प्रभाव तथा शिक्षा–अन्तराल का विवेचन–विश्लेषण है। कार्यक्रम का उद्‌घाटन विख्यात शिक्षाविद् केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, विजयानगरम, आंध्र प्रदेश के वर्तमान कुलपति तथा इंदिरा गाँधी जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के पूर्व कुलपति प्रो टी वी कट्टीमनी करेंगे। मुख्य अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की कुलपति प्रो निर्मला एस मौर्या होंगी। समापन सत्र के अध्यक्ष महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी, बिहार के कुलपति प्रो संजीव कुमार शर्मा होंगे। मुख्य वक्तव्य प्रो मंजुला राना, गढ़वाल विश्वविद्यालय प्रस्तुत करेंगी। सत्र की मुख्य अतिथि डॉ बी आर अम्बेडकर विश्वविद्यालय, इंदौर की कुलपति प्रो आशा शुक्ला होंगी।

एनजीबीयू के प्रति कुलपति डॉ एस सी तिवारी ने बताया कि संगोष्ठी में दस देशों के विद्वान् भाग लेंगे और भारत की विश्वगुरु संकल्पना के वैश्विक सन्दर्भों के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा नीति पर विमर्श प्रस्तुत करेंगे। संगोष्ठी में प्रो आनन्द वर्धन शर्मा (बल्गारिया), डॉ अलका धनपत (मॉरिशस), डॉ शिवकुमार सिंह (पुर्तगाल), डॉ एम नधीरा शिवंति (श्रीलंका), डॉ भरत शर्मा (नेपाल), डॉ के सुमेध थेरो (श्रीलंका) डॉ योरदांका (बल्गारिया) तथा प्रदीप लाल जानी (दुबई) अपने–अपने देश की शिक्षा–व्यवस्था के सन्दर्भ में विचार तथा अनुभव साझा करेंगे। इनके अतिरिक्त प्रो दिलीप सिंह (अमरकंटक, म प्र) प्रो उमापति दीक्षित (केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा), प्रो डी एस राजपूत (सागर, मध्यप्रदेश), श्री चन्द्र भूषण (नवभारत टाइम्स, नई दिल्ली) डॉ किंशुक पाठक (केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया) तथा अशोक सिंह (अंडमान) बाह्य विद्वान् के रूप में विचार व्यक्त करेंगे।

विश्वविद्यालय के शोध केन्द्र परिसर में आयोजित यह कार्यक्रम आनलाइन–आफलाइन दोनों मोड में सम्पन्न होगा। प्राध्यापक, शोधछात्र तथा अन्य विद्यार्थीगण सम्बन्धित लिंक पर पंजीकरण करा कर सहभागिता कर सकते हैं स

संदिग्ध परिस्थिति में घर मे

सौंपा। ज्ञापन के माध्यम
कि प्रदेश में कानून व
वस्त हो चुकी है। च
पिछड़ों, दलितों और अल
के साथ हर रोज ह
बलात्कार और आगज
घटनाएं हो रही हैं।
तमाम घटनाओं को

एक अ
का हे
जाने

हमीरपुर(अमर स्तम्भ)–
पंचायतों के सामान्य
2020 में उपयोग की ज
मतदाता सूची के वृहद
कार्य के अंतर्गत
आवश्यक प्रशिक्षण कार्य
आयोजन जिलाधिक
ज्ञानेश्वर त्रिपाठी की
में कलेक्ट्रेट सभागार
संपन्न हुई।
बैठक में जिलाधि
कहा कि मतदाता सूची
कार्यक्रम के अंतर्गत कि
वाले कार्यों हेतु विक
स्तर पर बीएलओ, सु
ट्रेनिंग आदि को ट्रेनि
ठीक ढंग से प्रशिक्षि
जाय। उन्होंने कहा कि
से 12 नवंबर तक बीए
किए जाने वाले घर
कार्यक्रम का कार्य ठीक
किया जाय। सर्वे के अ
परिवारों के मुखिया से
ा में अवश्य बात की ज
किसी तरह की लाप
बरती जाए, मतदाता
कोई भी व फर्जी नाम
पाएं। इसके अलावा
पात्र व्यक्ति का नाम
सूची से कटने ना पा
विशेष ध्यान दिया जाए
ाकारी कि मतद
में न व
के धिक
माध्य ापन
जाएगा ,इसमें किसी

NEHRU GRAM BHARATI
अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार–सेमिनार

अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार–सेमिनार

mar stambh 30 se...

जीभ काटी, गर्दन मरोड़कर हड्डी तोड़ डाली। यह घटना पिछले कई वर्षों में सबसे बर्बर और नृशंस तरीके से हैवानियत की घटनाओं में से एक रही है। उन दरिंदो के अलावा सरकार और प्रशासन ने मिलकर इस मासूम बच्ची की जान ली है। बेड क्यों नहीं मिला।उत्तर प्रदेश में न्याय की प्रक्रिया पर ही प्रश्नचिह्न खड़ा होता सरकार जब बच्चियों और महिलाओ को सुरक्षित नही कर पा रही है तो न्याय की बात करना ही बेमानी है । सरकार ऑपरेशन दुराचारी पर भले ही अपनी समाज योगी जी को माफ नही करेगा।

उक्त अवसर पर मुख्यरुप से अफजाल अहमद ,हरीराम सरोज ,चनरजीत ,मनोज सरोज ,शकील ,रामधनी ,दिलीप ,कामरान ,मनोज ,संजय ,अनिल ,सन्त लाल आदि उपस्थित थे

आधुनिक तकनीक से पहुँचे वंचित वर्गो तक कौशल विकास और शिक्षा - प्रो निर्मला एस मौर्या

ए पी सिंह

प्रयागराज (अमर स्तम्भ) गाँवों में कौशल विकास, स्वरोजगार और शिक्षा को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने के लिए छोटे–छोटे उद्योग धंधों को विश्वविद्यालय स्तर पर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। ग्रामीणोंजनों के कौशल विकास करने के लिए उन्हें आनलाइन मोबाइल, डिजिटल लाइब्रेरी से जोड़ा जाना चाहिए। विधा को गाँव–गाँव तक पहुँचाने हेतु विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना की मदद से पंचायतों तक पहुँच कर शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सकता है। उक्त बातें नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित द्विदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार सह सेमिनार वंचितों तक पहुँच में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो निर्मला एस मौर्या ने कहीं। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय की जो शिक्षा है, वह हमारे प्राचीन ग्रन्थों पर आधारित है। शिक्षा की बुनियाद विद्या है। केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश के कुलपति प्रो टी वी कट्टीमनी ने मुख्य वक्ता के रूप में सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा कि पहुँच दलितों, पिछड़ों, दिव्यांगों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों तथा अन्य सामाजिक रूप से वंचित वर्गों तक पहुँचाने के लिए शिक्षा का सरलीकरण करना होगा। वंचित वर्गों के लिए महंगी शिक्षा एक बड़ी चुनौती है। शिक्षा को स्थानीय भाषा में दिया जाना आवश्यक है। शिक्षा को हर वर्ग तक पहुँचाने के लिए हमें आधुनिक संचार संसाधनों के अधिकतम उपयोग हेतु लोगों को प्रोत्साहित एवं जागरूक करना चाहिए। वेबिनार–सेमिनार के बीज वक्ता के रूप में सम्बोधित करते हुए लुप्तप्राय जनजातीय भाषाए अमरकंटक, मध्य प्रदेश के निदेशक प्रो दिलीप सिंह ने कहा कि वंचित वर्गों एवं आदिवासी समूहों तक नई शिक्षा नीति के अपनी मातृ भाषा में शिक्षा के प्रावधान के कारण उन तक शिक्षा की पहुँच आसान होगी। आदिवासियों की भाषाएँ लुप्त होती जा रही हैं करीब चौदह करोड़ ग्रामीण वन एवं पर्वतीय क्षेत्रों में रहते हैं परन्तु उच्च शिक्षा में इनकी पहुँच बहुत निराशाजनक है। नवभारत टाइम्स के वरिष्ठ पत्रकार चन्द्र भूषण ने कहा कि ज्ञान के सृजन व ज्ञान प्रदान करने में भेद–भाव नहीं होना चाहिए।

कुलाधिपति जे एन मिश्र ने उद्बोधन में कहा कि ग्रामीणों एवं वंचित समूहों तक शिक्षा की पहुँच को स्थापित करने में यह विश्वविद्यालय निरंतर संलग्न है। समाज के हर वर्ग को शिक्षा के इस पुनीत कार्य में सहयोगी बनना चाहिये। श्री मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति की शिक्षा को वंचितों तक पहुँच में महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

कार्यक्रम का विषय परिचय देते हुए नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो राममोहन पाठक ने कहा कि वंचित वर्गों तक शिक्षा की पहुँच आज देश के लिए बहुत आवश्यक है। सभी के शैक्षणिक भागीदारी से ही देश तरक्की की राह पर अग्रसर होगा। प्रतिकुलपति डॉ एस सी तिवारी ने अतिथियों का स्वागत उद्बोधन किया। संचालन डॉ सव्यसाची ने तथा धन्यवाद ज्ञापन आर एल विश्वकर्मा ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अध्यापकगण एवं शोध छात्र आनलाइन के साथ ही शोध केन्द्र सभागार में आफलाइन उपस्थित रहे। उपरोक्त कार्यक्रम आनलाइन सहित आफलाइन मोड पर आयोजित किया गया।

दर्शन करने के लिए मंदिर में लगा भक्तो का तांता